"हिंदू समाज एक मिथक है। यह अस्तित्व में नहीं है।...." डॉ. बी. आर. अंबेडकर के संदर्भ में टिप्पणी करें।

8. Write short notes in any **two** :

(a) Materialism in Indian philosophy according to DP Chattopadhyay

(b) Materialism in MN Roy

(c) Annihilation of Caste (Dr Ambedkar)

(d) Classical and colonial debate in Indian philosophy

किन्ही **दो** पर टिप्पणी करें :

(क) डी पी चट्टोपाध्याय के अनुसार भारतीय दर्शन में भौतिकवाद

(ख) एम एन रॉय में भौतिकवाद

(ग) जाति उन्मूलन (डॉ अंबेडकर)

(घ) भारतीय दर्शन में परंपरागत और औपनिवेशिक विवाद

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

SRI AUROBINDO COLLEGE LIBRARY Kalkaji, New Delhi-110019

Sr. No. of Question Paper : 1807 **I**

Unique Paper Code : 2102103503

Name of the Paper : Approaches to Indian Philosophy

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Philosophy**

Semester : V

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Attempt **five** questions in all.
3. **All** questions carry equal marks.
4. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

P.T.O.

2. किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दें ।

3. **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं ।

4. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

1. What are the four major periods of development of Indian Philosophy before its serious decline about in 1700 AD?

भारतीय दर्शन के विकास के चार प्रमुख कालखंड कौन-से हैं, जो लगभग 1700 ईस्वी में अवसान के दौर में जाने से पहले थे?

2. Elaborate on the concept of "Philosophy" in India with reference to B.K. Matilal's article.

बी.के. मतिलाल के लेख के संदर्भ में भारत में "दर्शन" की अवधारणा को विस्तार से समझाइए।

3. What are the major dogmas of Indian Philosophy according to SN Dasgupta? Discuss in details.

एस.एन. दासगुप्ता के अनुसार भारतीय दर्शन के प्रमुख रूढ़िवादी सिद्धांत क्या हैं? विस्तृत विवरण दें।

4. "Indian Philosophy, therefore, is neither exclusively spiritual nor bound by unquestionable, infallible authority, nor constricted and congealed in the frozen moulds of so called schools...." Comment with reference to Dayakrishna's statement.

"भारतीय दर्शन न तो केवल आध्यात्मिक है, न ही इसे किसी अडिग, अचूक प्राधिकरण द्वारा बाध्य किया गया है, और न ही यह तथाकथित 'सम्प्रदायों' के जमे हुए ढाँचों में संकुचित और स्थिर है..."। दयाकृष्णा के वक्तव्य के सन्दर्भ में टिप्पणी करें।

5. Discuss the naturalistic tradition in Indian philosophy according to Dele Riepe.

डेल रीप के अनुसार भारतीय दर्शन में प्रकृतिवादी परंपरा की व्याख्या कीजिए।

6. Explain the evolution of Indian philosophical systems with reference to MN Roy.

एम.एन. रॉय के संदर्भ में भारतीय दार्शनिक प्रणालियों के विकास की व्याख्या करें।

7. "Hindu Society is a myth. It doesn't exist..." Comment with reference to Dr B.R Ambedkar.